List of New Course(s) Introduced

Department : HINDI

Programme Name : BA HOUNERS WITH RESEACRH

Academic Year : 2024-25

List of New Course(s) Introduced

Sr. No.	Course Code	Name of the Course
01.	HIUAMNT2	हिन्दी कथा साहित्य
02.	HIUBMNT3	हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं
03.	HIUCMJT1	आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य
04.	HIUCMJT2	रीतिकालीन काव्य
05.	HIUEMNT1	प्रयोजनमूलक हिन्दी
06.	HIUCMDT1	कला एवं साहित्य
07.	HIUCAET1	हिन्दी संचार माध्यम
08.	HIUCSET1	साहित्य और हिन्दी सिनेमा
09.	HIUDMJT1	भारतीय भाषाओं की कहानियाँ
10.	HIUDMJT2	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
11.	HIUDMJT3	समकालीन हिन्दी कविता
12.	HIUDMNT1	आधुनिक भारतीय साहित्य
13.	VOCHIT01	नाट्य लेखन और रंगमंच
14.		

Minutes of Meetings (MoM) of Board of Studies (BoS)

Academic Year : 2024-25

School : ARTS

Department : HINDI

Date and Time : 31/07/2024, 11:00 AM

Venue : HOD ROOM

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 No 25 of 2009 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

A++ NAAC

डॉ. गौरी त्रिपाठी
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

क्रमांक/ /हिंदी/2024
बिलासपुर, दिनांक : 31-07-2024

अध्ययन मण्डल (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त

- दिनांक 31 जुलाई 2024 को हिंदी विभाग में गूगल मीट पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से बैठक आयोजित की गई।
- बैठक में अध्ययन मंडल समिति के समस्त सदस्यगण ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।
- बैठक में प्रस्तावित चार वर्षीय स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम (नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार) पर चर्चा की गई जिसके अंतर्गत प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में आंशिक संशोधन तथा तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम निर्माण को अध्ययन मण्डल द्वारा अनुमोदित किया गया। साथ ही चार वर्षीय स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम (नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार) को 2024-25 व आगे के सत्रों में लागू करने की अनुशंसा की गई।
- बैठक में प्रस्तावित स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम को सत्र 2022-23 से लागू पाठ्यक्रम में आंशिक परिवर्तन के साथ अध्ययन मण्डल द्वारा अनुमोदित किया गया। साथ ही स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को 2024-25 व आगे के सत्रों में लागू करने की अनुशंसा की गई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर

क्र.	अध्ययन मंडल के सदस्यगण	पदनाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ. गौरी त्रिपाठी सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग)	अध्यक्ष	
2.	प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह आचार्य, हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज (उ.प्र.) (माननीय कुलपति जी द्वारा नामित वाह्य विषय विशेषज्ञ)	सदस्य	ऑनलाइन उपस्थिति
3.	डॉ. रमेश कुमार गोहे सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य	

31-07-2024
डॉ. गौरी त्रिपाठी
अध्यक्ष, हिंदी विभाग

कोनी, बिलासपुर – 495009, छत्तीसगढ़
ईमेल : hodhindiggv@gmail.com

Scanned with CamScanner

Scheme and Syllabus

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	Core 1	HIPATT1	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल)**	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	Core 2	HIPATT2	**आदिकालीन काव्य**	4	1	-	30	70	100	**5**
3.	Core 3	HIPATT3	**मध्यकालीन काव्य (भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य)**	4	1	-	30	70	100	**5**
4.	Core 4	HIPATT4	**भारतीय काव्यशास्त्र**	4	1	-	30	70	100	**5**
5.	Open Elective	HIPATO1	**हिंदी भाषा**	2	-	-	30	70	100	**2**
			Grand Total	**18**	**4**	-	**150**	**350**	**500**	**22**

Total Credits :22 Total Contact Hours : 285 Total Marks : 500

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – II

S. N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	Core 1	HIPBTT1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	1	-	30	70	100	5
2.	Core 2	HIPBTT2	कथेतर गद्य विधाएं	4	1	-	30	70	100	5
3.	Core 3	HIPBTT3	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	1	-	30	70	100	5
4.	Soft Core Elective (Internal Choice)	HIPBTD1	भाषा विज्ञान	4	1	-	30	70	100	5
		HIPBTD2	जनसंचार एवं हिंदी पत्रकारिता							
			Grand Total	**16**	**4**	-	**120**	**280**	**400**	**20**

Total Credits :20 Total Contact Hours : 260 Total Marks : 400

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment: Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातकोत्तर हिंदी

सेमेस्टर – III

S. N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	Core 1	HIPCTT1	कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	4	1	-	30	70	100	5
2.	Core 2	HIPCTT2	आधुनिक काव्य	4	1	-	30	70	100	5
3.	Soft Core Elective (Internal Choice)	HIPCTD1	आधुनिक विमर्श	4	1	-	30	70	100	5
		HIPCTD2	भारतीय साहित्य							
4.	Soft Core Elective (Internal Choice)	HIPCTD3	समकालीन कविता	4	1	-	30	70	100	5
		HIPCTD4	नाटक, रंगमंच और हिंदी सिनेमा							
			Grand Total	**16**	**4**	**-**	**120**	**280**	**400**	**20**

Total Credits :20 Total Contact Hours : 260 Total Marks : 400

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – IV

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	Core 1	HIPDTT1	**हिंदी आलोचना**	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	Soft Core Elective (Internal Choice)	HIPDTD1	**प्रयोजनमूलक हिंदी**	4	1	-	30	70	100	**5**
		HIPDTD2	**लोक-साहित्य**							
3.	Research Methodology	HIPDTT2	**शोध-प्रविधि**	2	-	-	30	70	100	**2**
4.	Dissertation/ Project Followed by Seminar 01	HIPDLD1	**लघु शोध-प्रबंध**	-	-	-	-	100	100	**6**
			Grand Total	**10**	**2**	-	**90**	**310**	**400**	**18**

Total Credits :18 Total Contact Hours : 230 Total Marks : 400

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I
प्रश्न पत्र – द्वितीय (कोर प्रश्न-पत्र)
आदिकालीन काव्य

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPCTT1	आदिकालीन काव्य	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- अपभ्रंश का सामान्य परिचय
- सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य का अध्ययन
- लोक साहित्य की पहचान
- हिंदी के विकास-क्रम और उसकी प्रवृत्तियों का सामाजिक अध्ययन

Syllabus Content :

इकाई : 1

आदिकालीन साहित्य का परिचय
हिंदी का उद्भव और विकास
अपभ्रंश और हिंदी का साहित्यिक संबंध

इकाई : 2

पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

सरहपा : दोहाकोश (1 से 12 दोहे) (अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अंतरयात्रा, डॉ. शंभुनाथ पाण्डेय, चौखम्बा पब्लिशर्श, वाराणसी)

अद्दहमाण : सन्देश रासक (द्वितीय प्रक्रम:) : हजारी प्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

राम सिंह के दोहे : दोहा संख्या 1, 2, 3, 4, 5, 6 7
(अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अंतरयात्रा, डॉ. शंभुनाथ पाण्डेय, चौखम्बा पब्लिशर्श, वाराणसी)

हेमचन्द्र सूरि : दोहा संख्या 1, 2, 3, 4, 5 (अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अंतरयात्रा, डॉ. शंभुनाथ पाण्डेय, चौखम्बा पब्लिशर्श, वाराणसी)

इकाई : 3

पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो (कयमास वध) : सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

इकाई : 4

पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

विद्यापति : पदावली : रूप वर्णन- 10,11, 12, 13, 16 विरह – 54, 56 : (सं. शिवप्रसाद सिंह)

इकाई : 5

पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

अमीर खुसरो : **दोहा -** 1. खुसरो रैन सुहाग की..., 2. खुसरो दरिया प्रेम का..., 3. खीर पकायी जतन से..., 4. गोरी सोवे सेज पर...
गीत – छाप-तिलक तज दीन्हीं रे, जब यार देखा नैन भर, ज़े हाले मिसकीं मकुन तग़ाफ़ुल (हिंदवी वेबसाईट से)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I
प्रश्न पत्र – तृतीय (कोर प्रश्न-पत्र)
मध्यकालीन काव्य (भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य)

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPCTT1	**मध्यकालीन काव्य (भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य)**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective:

- हिंदी साहित्य का मध्यकाल वह आधारभूमि है जिस पर साहित्य का आधुनिक युग और उसके समकालीन सन्दर्भ विकसित हुए हैं।
- बाजार के अत्यधिक दवाब के बावजूद आज के साहित्य को अपनी परम्परा से जोड़े रखने में मध्यकालीन छंद विन्यास और उसकी भाव संवेदना का अध्ययन आवश्यक है।

Syllabus Content:

इकाई एक

- भक्तिकाल की विविध धाराएं : संक्षिप्त परिचय एवं महत्वपूर्ण कवि
- हिंदी की संत काव्य परंपरा और कबीर का साहित्य

कबीर - पद संख्या 160 से 180 : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
साखी : परचा को अंग
संदर्भ : (कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

जायसी - : पद्मावत (नागमती वियोग खंड) : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
संदर्भ : (पद्मावत - सं. रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

इकाई दो

सूरदास -पद संख्या 21 से 70: व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
संदर्भ : (भ्रमरगीत सार - सं. रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन)

मीरा – प्रारंभ से 20 पद :व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
संदर्भ : मीरा का काव्य/ मीराँ पदावली - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

तुलसीदास - उत्तर कांड (रामचरितमानस) : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
संदर्भ : गीता प्रेस, गोरखपुर

इकाई तीन

केशव - रामचंद्रिका : पंचवटी (वन वर्णन)

बिहारी - पद संख्या 1 से 50 : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
संदर्भ : (बिहारी रत्नाकर - सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

घनानंद - पद संख्या 1 से 30 : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन, संदर्भ : (घनानंद- कवित्त – सं. विश्वनाथप्रसाद मिश्र)

इकाई पांच

रसखान - 1. गुन्ज गरै सिर मोरपखा...
2. लाय समाधि रहे ब्रह्मादिक योगी... संदर्भ : (सुजान रसखान - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

नज़ीर अकबराबादी : कौड़ी है जिसके पास... (बुद्धिमानों की बातें) (संदर्भ : कविता- समय – डॉ. गौरी त्रिपाठी)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – II
प्रश्न पत्र – द्वितीय (कोर प्रश्न-पत्र)
कथेतर गद्य विधाएं

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPBTD1	**कथेतर गद्य विधाएं**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- इतिहास बोध की परम्परा का अध्ययन
- जीवनानुभवों का आत्मीय संप्रेषण
- स्वाधीनता संग्राम के विकास की प्रक्रिया का अध्ययन
- संस्कृतिकरण की समझ विकसित करना
- पारिवारिक विघटन और सामाजिक यथार्थ की पहचान करना
- वैयक्तिक अभिव्यक्ति एवं सामाजिक मूल्यों का साहित्यिक अध्ययन

Syllabus Content :

प्रथम इकाई

कथेतर गद्य विधाएँ : स्वरुप और विकास
हिन्दी गद्य की निर्माण-भूमिः फोर्ट विलियम कॉलेज
भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्यः गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्ला खाँ, सदासुख लाल, शिवप्रसाद सितारेहिन्दएवं राजा लक्ष्मण सिंह का योगदान।
भारतेन्दु युगः आधुनिकता और हिन्दी गद्य का अन्तर्सम्बन्ध, गद्य की भाषा, खडी बोली की निर्माण-भूमि।
हिन्दी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का महत्व। रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, रिपोर्ताज, व्यंग्य एवं निबंध का उद्भव और विकास।

द्वितीय इकाई

हिंदी निबंध : स्वरुप और विकास
निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
कविता क्या है : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
युद्ध और स्त्री : महादेवी वर्मा
संस्कृति और सौन्दर्य : नामवर सिंह

तृतीय इकाई

यात्रावृत्तांत : स्वरुप और विकास
निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
मेरी तिब्बत यात्रा : राहुल सांकृत्यायन
चीड़ों पर चाँदनी : निर्मल वर्मा
संस्मरण : स्वरुप और विकास
निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
मंटो मेरा दुश्मन : उपेन्द्र नाथ अश्क
जीवनी : स्वरुप और विकास
निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर

नाटक : स्वरुप और विकास

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

सिंदूर की होली : लक्ष्मी नारायण लाल

चतुर्थ इकाई

आत्मकथा : स्वरुप और विकास

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

मुर्दहिया : तुलसी राम

एक कहानी यह भी : मन्नू भण्डारी

रेखाचित्र : स्वरुप और विकास

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

ठकुरी बाबा : महादेवी वर्मा

व्यंग्य : स्वरुप और विकास

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

भोलराम का जीव : परसाई

सहायक ग्रन्थ :

1. गद्य साहित्य का इतिहास : रामचंद्र तिवारी
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरुप चतुर्वेदी
3. भारतेंदु युग और हिन्दी गद्य की विकास-परम्परा : बच्चन सिंह
4. भारतेंदु युग : रामविलास शर्मा
5. रस्साकशी : वीर भारत तलवार
6. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास: विश्वनाथ त्रिपाठी
7. निराला की साहित्य साधना : भाग -1 : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ' : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. चिंतामणि, भाग -1 : आ. रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. समीक्षा की समस्याएं : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. गुलामगिरी : ज्योतिबा फुले, फारवर्ड प्रेस, नई दिल्ली।
13. समय और संस्कृति : श्यामा चरण दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन : एम. एन. श्रीनिवास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- 1857 में प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की अनुगूँज हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में लिखे गए निबंधों में और साहित्य की दूसरी विधाओं में प्रत्यक्ष और परोक्ष रुप से सुनाई देने लगा है ।
- इसका अध्ययन मूलतः स्वतंत्रता संघर्ष के विकास का भी अध्ययन है।
- तत्कालीन समाज व्यवस्था में निर्देशित सामाजिक मूल्यों का अध्ययन ज़रुरी है ।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र– तृतीय(वैकल्पिक)
भारतीय साहित्य

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPATT2	भारतीय साहित्य	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- साहित्य के संदर्भ में भारतीयता की अवधारणा का विश्लेषण करना।
- भारतीय साहित्य को विभिन्न संदर्भों में देखे जाने की समझ विकसित करना।
- स्वाधीनता संग्राम में भारतीय मूल्य एवं भारतीय साहित्य की भूमिका से परिचित कराना।
- गद्य की विभिन्न विधाओं में भारतीयता व बहुसांस्कृतिकता का अध्ययन करना।

Syllabus Content :

इकाई : 1

भारतीयता की अवधारणा : इतिहास, परंपरा, बहुभाषिकता, बहुसांस्कृतिकता
भारतीय साहित्य का स्वरुप व अध्ययन की समस्याएँ
भारतीय साहित्य : राष्टवाद का उदय व आज के भारत का बिम्ब

इकाई : 2

भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय (बंगला, उड़िया, पंजाबी, मराठी, तेलुगु, कन्नड़)
स्वाधीनता संग्राम में भारतीय मूल्य एवं भारतीय साहित्य की भूमिका
भारतीय भाषाएं एवं हिंदी का अंतरसंबंध

इकाई : 3

कवितायें : व्याख्या और आलोचना
सबसे खतरनाक, मैं अब विदा लेता हूँ (पंजाबी) : अवतार सिंह 'पाश'
भारत तीर्थ, मुक्ति (बांग्ला) : रवीन्द्रनाथ नाथ टैगोर
धनबाद का खनिक (मलयालम) : के0 सच्चिदानंदन

इकाई : 4

उपन्यास और कहानियाँ : व्याख्या और आलोचना
उपन्यास : संस्कार (कन्नड़) : यू0 आर0 अनंतमूर्ति
उपन्यास: आग का दरिया (उर्दू) : कुर्रतुल ऐन हैदर
कहानी : ईश्वर (उड़िया) : प्रतिभा राय

इकाई : 5

नाटक और निबन्ध : व्याख्या और आलोचना
नाटक : तुगलक (मराठी) : गिरीश कर्नाड
निबन्ध: साहित्य का तात्पर्य (बांग्ला)रवीन्द्र नाथ टैगोर
निबन्ध: संस्कृति और सौन्दर्य (हिंदी) : नामवर सिंह

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र– चतुर्थ (वैकल्पिक)
समकालीन कविता

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPATT2	समकालीन कविता	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- साहित्य के संदर्भ में समकालीनता की अवधारणा का विश्लेषण करना ।
- समकालीन कविता को विभिन्न संदर्भों में देखे जाने की समझ विकसित करना ।
- स्वातंत्रयोत्तर भारतीय मूल्यों में आए परिवर्तन एवं जनता के मोहभंग से परिचित कराना ।
- समकालीन कविता के प्रमुख नए शिल्प से परिचित कराना ।
- स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि विकसित करना ।

Syllabus Content :

इकाई : 1

'समकालीनता' का अर्थ, प्रसार, काल- निर्धारण एवं नामकरण
आधुनिकता और समकालीनता
नेहरु युग की समाप्ति के बाद का राजनीतिक परिदृश्य भारत-पाकिस्तान युद्ध, आपातकाल, आर्थिक उदारीकरण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, अस्मितावादी राजनीति
समकालीन कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ

इकाई : 2

समकालीन हिन्दी कविता के कथ्य और शिल्प में राजकमल चौधरी, धूमिल और रघुवीर सहाय का योगदान
निर्धारित रचनाएं/रचनाकार व्याख्या और आलोचना
राजकमल चौधरी- मछली मरी हुई
धूमिल – पटकथा
रघुवीर सहाय – अधिनायक

इकाई : 3

समकालीन हिन्दी कविता के आठवें एवं नवें दशक के कवि – भाग 1
निर्धारित रचनाएं/रचनाकार व्याख्या और आलोचना
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना भेड़िया 1, भेड़िया 2, भेड़िया-3, जंगल का दर्द
केदारनाथ सिंह – बाघ, अकाल में सारस
विनोद कुमार शुक्ल - रायपुर बिलासपुर संभाग

इकाई : 4

समकालीन हिन्दी कविता के आठवें एवं नवें दशक के कवि – भाग 2
निर्धारित रचनाएं/रचनाकार व्याख्या और आलोचना
अशोक वाजपेयी- पथहारा वक्तव्य, मौत की ट्रेन में दिदिया
राजेश जोशी- बिजली सुधारने वाले, उसके स्वप्न में जाने का यात्रा-वृतांत, बच्चे काम पर जा रहे है, अहद होटल

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.

आलोक धन्वा - भागी हुई लड़कियाँ, ब्रुनो की बेटियाँ
वीरेन डंगवाल- इतने भले नही बन जाना साथी, हमारा समाज, उजले दिन जरुर आयेगें
मंगलेश डबराल - संगतकार, घर, पागलों का एक वर्णन
अष्टभुजा शुक्ल - पद कुपद (पद संख्या - 1,3,4,5,9)

इकाई : 5

समकालीन हिन्दी कविता के आठवें एवं नवें दशक के कवि – भाग 3
निर्धारित रचनाएं/रचनाकार व्याख्या और आलोचना

अनामिका - स्त्रियाँ, दरवाजा, मौसियाँ
कात्यायनी – हाकी खेलती लड़कियां
चन्द्रकांत देवताले - शब्दो की पवित्रता के बारे में, मेरी किस्मत में यही अच्छा रहा, ट्रकों में बकरों की लदान
विष्णु खरे - टेबिल, लड़कियों के बाप, लालटेन जलाना
नीलेश रघुवंशी –स्त्री की नींद
निर्मला पुतुल – नगाड़े की तरह बजते शब्द

सन्दर्भ-सूची

1. मोहन अवस्थी, आधुनिक काव्य शिल्प
2. उमाकांत गोयल, मैथिलीशरण गुप्त
3. प्रेमशंकर, प्रसाद का काव्य
4. नामवर सिंह, छायावाद
5. नामवर सिंह, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां
6. दूधनाथ सिंह, महादेवी
7. रमेशचंद्र शाह, जयशंकर प्रसाद
8. डॉ. नगेन्द्र, साकेत : एक अध्ययन
9. शम्भुनाथ, मिथक और आधुनिक कविता
10. शिवकुमार मिश्र, आधुनिक कविता और युग सन्दर्भ

Course Learning Outcomes:

- 20वीं सदी में भारतीय समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में मध्यवर्ग की प्रभावी भूमिका बनने लगी थी।
- समाज को देखने का उसका यथार्थवादी दृष्टिकोण, नैतिकता, आदर्शपरक जीवन-मूल्य, कल्पनाशीलता, वैचारिक आग्रह आदि इस युग की आधुनिक काव्य में नाना शिल्प विधान के साथ मूर्तमान हो उठे थे।
- इस प्रश्न पत्र का अध्ययन बीसवीं सदी के ऐतिहासिक, सामाजिक और राजनीतिक हलचलों का एक साथ अध्ययन होगा।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I
प्रश्न पत्र– प्रथम (कोर प्रश्न-पत्र)
हिंदी आलोचना

Course Code	Course Name	Periods			Duratio	Scheme			Credits
		L	T	P	n	IA	ESE	Sub Total	
HIPATT2	हिंदी आलोचना	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- आलोचना विधा के सभी पहलुओं से परिचित कराना ।
- प्रगतिवादी आलोचनाओं और उनके मुख्य स्थापनाओं और आलोचकों से परिचित कराना ।
- नयी कविता आन्दोलन व नयी कहानी आन्दोलन का आलोचनात्मक विश्लेषण करना ।
- उत्तरवादी सिद्धान्त और आलोचना के नए सिद्धांतों से परिचित कराना ।
- रचना को देखने की नई दृष्टियों से परिचित कराना ।
- साहित्य के पाठ की रणनीतियाँ और पुनर्पाठ के तमाम पहलुओं से परिचित कराना ।

Syllabus Content:

इकाई : 1

हिन्दी आलोचना आरंभिक परिदृश्य
द्विवेदी युग लाला भगवानदीन महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बन्धु, कृष्णबिहारी मिश्र, पद्मसिंह शर्मा,

इकाई : 2

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना
शुक्लानुवर्ती और शुक्लोत्तर आलोचक : एक सामान्य परिचय
शुक्लानुवर्ती आलोचक : डॉ0 नगेन्द्र, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
शुक्लोत्तर आलोचक : नन्ददुलारे बाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई : 3

प्रगतिवादी आलोचना : मुख्य स्थापनाएं
प्रगतिशील लेखक संघ और उसका घोषणा पत्र
शिवदान सिंह चौहान, राहुल सांकृत्यायन, अमृत राय
रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, मुक्तिबोध, मैनेजर पाण्डेय

इकाई : 4

नयी कविता आन्दोलन, नयी कहानी आन्दोलन : सामान्य परिचय
प्रमुख आलोचक : अज्ञेय, रामस्वरूप चतुर्वेदी, विजयदेवनारायण साही, लक्ष्मीकान्त वर्मा, मलयज, देवी शंकर अवस्थी

इकाई : 5

समकालीन हिंदी आलोचना
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
पाठ की रणनीतियाँ और पुनर्पाठ
उत्तरवादी सिद्धान्त और आलोचना
प्रमुख आलोचक : निर्मला जैन, रोहिणी अग्रवाल, माधव हाड़ा, वंदना टेटे, डॉ. धर्मवीर

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

दलित, स्त्री एवं आदिवासी विमर्श और हिन्दी आलोचना

सन्दर्भ-सूची

1. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिंदी आलोचना
2. रामविलास शर्मा, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना
3. निर्मला जैन, हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी
4. नामवर सिंह, इतिहास और आलोचना
5. देवीशंकर अवस्थी, आलोचना का द्वंद्व
6. शिवकुमार मिश्र, यथार्थवाद
7. रमेश कुमार, नवजागरण और हिंदी आलोचना
8. शिवकुमार मिश्र, हिंदी आलोचना की परम्परा और रामचंद्र शुक्ल
9. कबीर के आलोचक, डॉ. धर्मवीर
10. आलोचना के सिद्धांत, शिवदान सिंह चौहान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, नन्द दुलारे बाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- हिंदी आलोचकों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी आलोचना की नयी-नयी धाराएं स्पष्ट हो सकेंगी।
- साहित्य का चिंतन और समाज एक दूसरे के सापेक्ष दिखाई देते हैं। इस पक्ष को स्पष्ट किया जा सकेगा।
- साहित्य के भीतर समाज को देखना और उसे परम्परागत दृष्टियों से रेखांकित करने की प्रवृत्ति विकसित होगी।
- भाषा और साहित्य को पढ़ने तथा उसके सामाजिक उपदेयों की समझ विकसित होगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)